(IJRSSH) 2012, Vol. No. 2, Issue No. I, Jan-Mar ISSN: 2249-4642

TRANSLATION IN HINDI IN THE FIELD OF MEDICINE

Dr. A. Mukta Vani

Associate Professor, Dept of Sanskrit, Hindi Mahavidyalaya

Hyderabad

चिकित्सा के क्षेत्र में हिन्दी अनुवाद

डॉ. ए. मुक्ता वाणी

असोसिएट प्रोफेसर

हिन्दी महाविद्यालय, हैदराबाद

चिकित्सा के क्षेत्र में हिन्दी अनुवाद का जितना महत्व है, आधुनिक युग में उसका उतना ही अभाव है, यतोहि मातृभाषा में इण्टर तक अध्ययन करनेवाले विद्यार्थियों के लिए एम्. बि. बि. एस्. एवं एम्. डि. की पढाई सरल नहीं है, क्योंकि चिकित्सा के ग्रन्थ 90% अंग्रेजी भाषा में ही उपलब्ध हैं। सम्प्रति भारत सरकार का प्रयास है कि चिकित्सा की पढाई हिन्दी भाषा के साथ – साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी कराया जाय, एतदर्थ भारत सरकार का कार्य प्रशंसनीय है।

चिकित्सा के अन्तर्गत अंग्रेजी भाषा में ऐसे अनेक ग्रन्थ हैं, जिनका हिन्दी अनुवाद बहुत आवश्यक हैं।

श्रेष्ठ अनुवादकों के लिए –

1. "नवीन मेडिकल चिकित्सा" (Recent Medical Treatment) लेखक - डॉ. प्रिय कुमार चौबे।
2. ऐलोपैथिक निघण्टु अर्थात् मैटीरिया मेडिका। लेखक – डॉ. रामनाथ वर्मा।
3. Medical Dictionary (English to Hindi) (चिकित्सा विज्ञान कोश)

   लेखक – डॉ.अवधबिहारी अग्निहोत्री।

   ये सभी ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी हैं।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अनुवाद का महत्वपूर्ण स्थान है। जितनी अधिक भाषाएँ होंगी अनुवाद की भी उतनी ही आवश्यकता होगी । प्रतयेक व्यक्ति सारी भाषाएँ सीखने में असमर्थ है अतः अनुवाद की निरन्तर धारा बहती रहनी चाहिए। ज्ञान – विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की गति उत्तरोत्तर

IJRSSH

अभिवृध्दि की ओर अग्रसर है। अबतक साहित्य के क्षेत्र में सर्वाधिक अनुवाद कार्य कथा, नाटक, काव्य, उपन्यास, जीवनी आदि विधाओं में सम्पन्न हुआ है, किन्तु विज्ञान के क्षेत्र में अनुवाद करना उतना सरल नहीं है। यहाँ अनेक भाषाओं के साथ – साथ विषय का ज्ञान भी आवश्यक है। जिन्हें विषय का सूक्ष्म ज्ञान है उनके पास इतना समय नहीं है कि पठित ग्रन्थों का अन्य भाषाओं में अनुवाद कर सकें, क्योंकि चिकित्सक अपना विस्तृत समय अध्ययन और शोधकार्य में व्यतीत करते हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में अनुवाद कार्य जितना होना चाहिए था उतना नहीं हुआ है। आज के भागदौड की जिन्दगी में मनुष्य अनेक प्रकार के रोगों से ग्रस्त होने पर चिकित्सक के पास अपनी बीमारी लेकर जाता है और मन में संदेह होता है कि मेरी बीमारी क्या है, मैं ठीक हो पाऊँगा कि नहीं? जब डा. चिटपर् (prescription) दवाईयों के नाम लिख कर देते हैं तो साधारण व्यक्ति दवाइयों के नाम पढ नहीं पाता, क्योंकि उसे अपनी मातृभाषा के अतिरिक्त अन्यभाषा की जानकारी नहीं होती। सामान्यतया सभी चिकित्सक अंग्रेजी माध्यम में ही पढकर अंग्रेजी में ही लिखते हैं।

आयुर्वेद –

सम्प्रति विश्व में चिकित्सा के क्षेत्र में पाँच प्रकार की औषधियाँ हैं, जिनके द्वारा रोगियों का इलाज किया जा रहा है, जिन में अत्यन्त प्राचीन है – आयुर्वेद। जिसका आविष्कार महर्षि धन्वन्तरि ने किया था। आधुनिक युग में भी आयुर्वेद की पध्दतियों का अनुसरण कर स्वास्थ्यलाभ प्राप्त करनेवाले अनेक आयुर्वेद - प्रेमी हैं। इस विधा में भी बहुत से ऐसे संस्कृत के कठिन शब्द हैं जिनका सरलतम हिन्दी भाषा में अनुवाद होना चाहिए, जिस से सामान्यजन भी भलीभान्ति सुपरिचित हों। जैसे चरक संहिता, सुश्रुत संहिता, और अष्टाङ्गहृदयम् श्लोकों में वर्णित रोग और औषधियों के नाम -

हस्ति दन्तील हैमवती श्यामा त्रिवृदधोगुडा।
सप्तला श्वेत नामा च प्रत्यक श्रेणि गवाक्ष्यपि ।। 77 ।।
ज्योतिष्मती च बिम्बी च शणपुष्पी विपाणिका।
अजगन्धा द्रवन्ती च क्षीरिणी चात्र षोऽशी ।। 78।।

- चरक संहिता प्रथमखण्डः।

Homeopathy (होमियोपैथी)

होमियोपैथी आधुनिक चिकित्सा पध्दति है। इसका आविष्कार Samuel Hahnemann (सैमुअल हैनीमैन जर्मनी चिकित्सक) ने किया है। होमियोपैथी औषधियों का असर शनैः शनैः होता है लेकिन Side effects (दुष्प्रभाव) न होने के कारण इसका प्रयोग लाभदायक माना जाता है। होमियोपैथी से सम्बन्धित पुस्तकें प्रायः अंग्रेजी में ही उपलब्ध हैं। बहुत सी पुस्तकें सरल हिन्दी में अनूदित हैं, किन्तु अपर्याप्त हैं। होम्योपैथी औषधियों के नाम अंग्रेजी में ही अधिक हैं जिनका हिन्दी में अनुवाद होना चाहिए। जैसे -

1. आर्निका 30 या 200
2. कैलेण्डूला (मदर टिञ्चर)
3. नक्सवोमिका 30 या 200
4. एकोनाइट 30 – 5
5. कालीफॅस – 3 एक्स या 6 एक्स
6. बेलडोना 30 या 200

अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा पध्दतियाँ हैं, जो प्रकृति पर ही आधारित हैं। इन में सभी प्रकार की औषधियों का सेवन भारतीय संस्कृति, सभ्यता से प्रेरित हैं। प्राचीन ऋषि – मुनियों द्वारा निर्देशित तथा दादी माँ के नुस्खों पर अनुसरित है। इन्हें सरलतया समझा जा सकता हैं। यहाँ अनुवाद की प्रबल आवश्यकता नहीं हैं। जैसे -

1. यूनानी
2. सिध्दा
3. आयुष
4. योग
5. प्राकृतिक चिकित्सा

Allopath (अलोपैथ)

समस्त विश्व में सर्वाधिक प्रयोग की जानेवाली अत्यन्त प्रसिध्द आधुनिक चिकित्सा पध्दति है- Allopath (अलोपैथ) यह औषधि त्वरित प्रभावशाली और दूरगामी दुष्प्रभावी है। जब अनपढ व्यक्ति भी प्रायः अलोपैथ औषधियों का ही इस्तेमाल करता है तब उसे कठिन से कठिन अंग्रेजी दवाइयों को पढने, बोलने और समझने में परेशानी होती है उस समय हमें सरल हिन्दी या स्थानीय भाषा में अवगत कराने के लिए श्रेष्ठ अनुवादक की आवश्यकता होती है। अतः चिकित्सा के क्षेत्र में हिन्दी अनुवाद का अत्यन्त महत्व है।

IJRSSH

आधुनिक युग में चिकित्सा विज्ञान तीव्रगति से उन्नति कर रहा है। अंग्रेजी के अनेक नूतन शब्दों का सम्मिश्रण हो रहा है। जिनका हिन्दी में अनुवाद अत्यन्त आवश्यक है जैसे –

Oncology (आंकालजी)

1. बेवाकिजुमैब (एवास्टिन)
2. एलेक्टिनिव (एलेसेन्सा)
3. इब्रुटिनिव (इम्ब्रूविका)
4. इमैटिनिब (ग्लीवेक)
5. पल्बोसिक्लिब (इब्रांस)

इनका प्रयोग "लक्षित उपचार" (Targeted Therapy) में किया जाता है।

1. निवोलुमैब (ओपडिवो)
2. पेम्बोलिजुमाब (कीट्रडा)
3. एटेजोलिजुमाब (टेसेंट्रिक)
4. इपिलिम्यूमैब (येरवॉय)

इम्यूनोथेरपी में इनका उपयोग होता है।

टाइफयेड Typhoid = सन्निपातिक ज्वर, मलेरिया Malaria = शीतज्वर, डेंगू Dengue = वायरल संक्रमण, कैंसर Cancer = कर्कट रोग में दी जानेवाली अनेक औषधियों का हिन्दी अनुवाद अत्यावश्यक है। Prescription (Recipe) = नुस्खा, Medical Report = चिकित्सा विवरण, Strips, Death Certificate= मृत्यु प्रमाणपत्र, Medical Records = चिकित्सा इतिहास, Medical Test = शारीरिक परीक्षण और Sick Leave Certificate= स्वाथ्य प्रमाणपत्र आदि हिन्दी में अनुवाद हों तो सुलभ होग। M.B.B.S. एवं M.D.के पाठ्य पुस्तकों, सन्दर्भ ग्रन्थों, लेखों, डिक्शनरी (कोष) ग्रथों का हिन्दी एवं प्रान्तीय भाषाओं में अनुवाद होना चाहिए। यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि "नई शिक्षा नीति" के अनुसार मध्यप्रदेश सरकार ने एम.बी.बी.एस् प्रथमवर्ष के तीन विषयों के पाठ्य पुस्तकों (अनाटमी,फिजियोलजी और बायोकेमिस्ट्री) का हिन्दी में अनुवाद कर, हिन्दी माध्यम में अध्ययन – अध्यापन कराने की व्यवस्था की है।

अनुवादक के गुण

चिकित्सा क्षेत्र के अनुवादक को बहुभाषी, भारतीय भाषा प्रेमी, विषय विशेषज्ञ, स्वास्थ्य सम्बन्धी सूक्ष्म जानकारी, चिकित्सा शब्दावली से सुपरिचित, अनुवाद करने में निपुणता तथा अनुभवज्ञता परम आवश्यक है।

IJRSSH

उपसंहार -

इस प्रकार "चिकित्सा के क्षेत्र में हिन्दी अनुवाद" विषय बहुत ही सामयिक एवं वैद्य विद्यार्थियों के लिए अति महत्वपूर्ण है। भारत सरकार विज्ञान विषय को भी राष्ट्र भाषा हिन्दी में पठन – पाठन हेतु भावी पीढी को प्रेरित एवं प्रोत्साहित कर, सही पथ-प्रदर्शन करती रहे, यही शुभकामना है।

- डा. ए. मुक्ता वाणी

सन्दर्भ ग्रन्थ –

क्र.सं.	ग्रन्थ नाम	संपादक अथवा लेखक	प्रकाशन	वर्ष
1.	Dictionary of Medicine (चिकित्सा विज्ञान कोष)	एस.सी. सेन गुप्त	हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग	1955
2.	नवीन मेडिकल चिकित्सा (Recent Medical Treatment)	डा. प्रिय कुमार चौबे	कृष्णदास अकादमी, वाराणसी	-
3.	चरक संहिता	अत्रि देव गुप्त	भार्गव पुस्तकालय, वाराणसी	-
4.	सुश्रुत संहिता	डा.अनन्तराम शर्मा	भार्गव पुस्तकालय, वाराणसी	-
5.	Medical Dictionary (English to Hindi)	डा.अवध बिहारी अग्निहोत्री	-	-

IJRSSH